एटीएस ने फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया

भादरा में नगर पालिका के पास अवैध आधार कार्ड बनाने का सेंटर खोल रखा था

- फर्जी अंगूठे और रेटिना से बनाए जाते थे आधार कार्ड, मास्टरमाइंड को पकड़ा
- एटीएस को मौके से सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण मिले

हनुमानगढ़, (निसं)। एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने शुक्रवार शाम को फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। गिरोह ने दूसरों की आईडी का इस्तेमाल करके अवैध आधार कार्ड सेंटर खोला था। एटीएस को मौके से सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण मिले हैं। एटीएस ने फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है।

एडीजी (एटीएस एंव एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार कार्ड बनाने के मामले में मास्टरमाइंड कुलदीप शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। भादरा (हनुमानगढ़) में नगर पालिका के पास एक अवैध आधार कार्ड बनाने का सेंटर खोल रखा था। एटीएस के एएसआई कुलवीर सिंह और हेड कॉन्स्टेबल सुरेश कुमार को इस बारे में जानकारी मिली थी। एटीएस टीम ने भादरा पुलिस की मदद से संयुक्त कार्रवाई करते हुए आधार कार्ड सेंटर पर छापा मारा। एटीएस ने आधार सेंटर पर मौजूद आरोपी कुलदीप शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान सैकड़ों एनरोलमेंट रसीदें और हाईटेक उपकरण जब्त किए गए। एटीएस के सेंटर पर दबिश देने पर चौंकाने वाला नज़ारा देखने को मिला। मास्टरमाइंड कुलदीप शर्मा, जसवंत और आमिर खां की ऑपरेटर आईडी का अवैध इस्तेमाल करता मिला। मौके से लाल और सफेद रंग के रबर पर बने डमी फिंगरप्रिंट मिले, जिनका इस्तेमाल लॉगिन के लिए किया जाता था। आरोपी ने कागज़ पर आंखों की रेटिना की फोटो प्रतियां रखी हुई थी, जिन्हें आईरिस डिवाइस के सामने रखकर बायोमेट्रिक सिस्टम को चकमा दिया जाता था। एनरोलमेंट रसीदों पर जसवंत और आमिर खां के फर्जी हस्ताक्षर भी आरोपी कुलदीप शर्मा खुद कर रहा था।

गिरफ्तार आरोपी कुलदीप शर्मा।

पुलिस और एटीएस की इस जांच में सामने आया कि इस तरह फर्जी तरीके से बनाए गए आधार कार्ड का इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, फर्जी सिम कार्ड जारी करवाने और साइबर क्राइम के लिए फर्जी बैंक अकाउंट खुलवाने में किया जा सकता था। टीम ने मौके से एक लैपटॉप, प्रिंटर, आईरिस डिवाइस, पाम फिंगरप्रिंट डिवाइस, जीपीएस डिवाइस, फिंगरप्रिंट डाई, कैमरा बरामद किया। आरोपी कुलदीप का मोबाइल जब्त किया है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी कुलदीप शर्मा से एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उन लोगों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिन्होंने इस फर्जीवाड़े के ज़रिए आधार कार्ड बनवाए हैं। भादरा पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह के तार किसी अंतरराज्यीय नेटवर्क या संगठित साइबर अपराधियों से जुड़े हुए हैं। आरोपी के मोबाइल और लैपटॉप के डेटा का फोरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है ताकि पिछले रिकॉर्ड्स खंगाले जा सके।

बीएड डिग्री के प्रति विद्यार्थियों का घटता रुझान चिंता का विषय

- बीएड के बजाय दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों का रुझान अधिक है, प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों की 25 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए 20 मई को होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा में लगभग 6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है

बीकानेर, (निसं)। बीएड डिग्री के प्रति विद्यार्थियों का रुझान कम हो रहा है। नए सत्र के बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने 20 मार्च से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है। लेकिन 16 अप्रैल तक सिर्फ 79 हजार अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। अंतिम तिथि में अब सिर्फ चार दिन बचे हैं, लेकिन आवेदनों की संख्या में इजाफा नहीं हो रहा है।

प्रदेश के लगभग 944 बीएड कॉलेज में 2 वर्षीय पाठ्यक्रम की लगभग 1.07 लाख सीटें हैं। राज्य में पिछले पांच साल में 5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने बीएड कोर्स की डिग्री हासिल की है इसमें से नौकरी सिर्फ 38965 अभ्यर्थियों को ही मिल पाई है। दरअसल, हर साल जितने अभ्यर्थी बीएड कर रहे हैं उसके मुकाबले भर्तियां नहीं निकल रही हैं। वहीं, भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में भी एक से दो साल लग रहे हैं। यही कारण है कि अब अभ्यर्थी बीएड की बजाय अन्य कोर्स को तवज्जो देने लगे हैं। हालात यह है कि प्रदेश में पहले से ही 12 लाख से अधिक बीएड किए हुए छात्र सरकारी नौकरी की राह देख रहे हैं।

प्रदेश में पिछले कुछ सालों का रिकॉर्ड देखें तो शिक्षक भर्तियां समय पर नहीं हो रही हैं। भर्ती परीक्षा होने के बाद रिजल्ट तथा नियुक्ति प्रक्रिया में भी एक साल से अधिक का समय लग रहा है। यही कारण है कि नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी राज्य के स्कूलों में सेकंड ग्रेड के 40 हजार और व्याख्याता के करीब 20 हजार पद वर्तमान में खाली हैं। बीएड के बजाय दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों का रुझान अधिक है। प्रदेश के 377 डीएलएड कॉलेजों की 25 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए 20 मई को होने वाली प्री-डीएलएड परीक्षा में लगभग 6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक सीट पर 24 आवेदन। जबकि बीएड में 1.07 लाख सीटों की तुलना में अभी सिर्फ 79 हजार आवेदन हुए हैं।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के तहत लेवल सेकंड के पदों पर पिछली भर्ती में सिर्फ 2123 पद ही दिए गए। पिछले 10 वर्ष के इतिहास में यह सबसे कम पदों की भर्ती हैं। जबकि इस भर्ती में शामिल होने के लिए 7 लाख से अधिक अभ्यर्थियों में आवेदन किया था। यह भर्ती फिलहाल प्रक्रिया में है। वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग में पिछले 6 सालों से तृतीय श्रेणी से सेकंड ग्रेड पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया न्यायालय वाद के कारण अटकी हुई है। इस वजह से नई भर्ती में भी पद कम मिल रहे हैं।

अशोक चौधरी, संरक्षक, राजस्थान बेरोजगार यूनियन का कहना है कि बीएड में विद्यार्थियों का घटता रुझान चिंता का विषय है। सरकार को सभी सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों पर नियमित और पर्याप्त भर्तियां निकालनी चाहिए। साथ ही निजी स्कूलों में शिक्षकों के लिए उचित वेतन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है।

बांसवाड़ा : एल्युमिनियम तार चोरी के मामले का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। आंबापुरा थाना पुलिस ने बिजली लाइन के लगभग पांच लाख रूपये के एल्युमिनियम तार चोरी करने के प्रकरण का खुलासा कर चौकीदार सहित दो जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं एल्युमिनियम तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 12 अप्रैल को प्रार्थी राजकुमार सिंह पुत्र पर्वत सिंह राठौड़ निवासी उमरड़ा जिला उदयपुर ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि वह मैं. सांवरिया ईनटर प्राईजेज उमरणा सेमड़ का नेतृत्वकर्ता है एवं भारत सरकार द्वारा संचालित आरडीएसएस योजना के तहत एवीवीएनएल बांसवाड़ा के वीरपुर जीएसएस से जल्दा फीडर तक विद्युत लाइन जोड़ने का कार्य उसकी फर्म द्वारा किया जा रहा है। कार्य के दौरान सामान की निगरानी एवं देखरेख के लिये बसंत सिंह पुत्र सोहनसिंह निवासी उण्डीथल थाना गोगुन्दा को चौकीदार रखा था। सारा सामान व संसाधन वीरपुर में कांतिलाल पटेल निवासी वीरपुर के बाड़े में रखते थे। गत 29 मार्च को शाम 7 बजे चौकीदार बसंत सिंह बाड़े में रखे हुए दो ड्रम विजल तार के व अन्य उपयोगी सामान हमारे ही ट्रैक्टर में भरकर चोरी कर ले गया। बाद में ट्रैक्टर को आबापुरा इंडियन पेट्रोल पंप पर खड़ा करके चला गया। प्रार्थी ने इधर-उधर तलाश की तो ट्रेक्टर पेट्रोल पंप पर खडा मिला लेकिन दो ड्रम तार के व अन्य उपयोगी सामान नहीं मिला जो चौकीदार कर ले गया है।

पुलिस ने एल्युमिनियम तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया।

इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। थानाधिकारी राणावत के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आसूचना तंत्र को मजबूत कर मुखबीरों का जाल बिछाकर अभियुक्त बसन्त सिंह उर्फ वसन्त सिंह उर्फ पिन्टु पुत्र सोहन सिंह निवासी पलेवाघाटी उण्डीथल थाना गोगुन्दा जिला उदयपुर की तलाश कर डिटेन किया। पूछताछ में आरोपी बसंत सिंह ने घटना कारित करना स्वीकार करते हुए माल मुनिमसिंह उर्फ मुन्ना पुत्र जयफुल मीणा निवासी घुमना थाना मानपुर जिला दौसा को बेचना बताया। जिस पर पुलिस टीम ने अभियुक्त मुनिम सिंह की तलाश कर पूछताछ की तो उसने अभियुक्त बसंत सिंह से माल खरीदना स्वीकार किया। जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड प्राप्त कर अभियुक्तों से घटनास्थल की तस्दीक कराई एवं एक टन 80 किलोग्राम एल्युमिनियम के तार बरामद कर घटना में प्रयुक्त चौपहिया वाहन जब्त किया।

अजमेर के ग्राम खोड़ा बुबानी में अवैध खनन के खिलाफ लोगों में आक्रोश

- ग्रामीणों ने एसपी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है
- ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विरोध करने के बावजूद खनन माफिया अपनी गतिविधियां बंद नहीं कर रहे हैं

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के ग्राम खोड़ा बुबानी के सैकड़ों ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अवैध खनन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीणों ने मीडिया को कुछ वीडियो भी उपलब्ध कराए हैं। इन वीडियो में कथित रूप से अवैध खनन करते हुए जेसीबी और डंपरों को ग्रामीणों द्वारा खदेड़ते हुए देखा जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विरोध करने के बावजूद खनन माफिया अपनी गतिविधियां बंद नहीं कर रहे हैं। महेन्द्र सिंह रावत सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अवैध खनन करने वाले लोगों ने अरावली क्षेत्र को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। उनका कहना है कि पहाड़ियों को इस हद तक खोदा जा चुका है कि वे अब खत्म होने के कगार पर पहुंच गई हैं। इससे पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है और स्थानीय लोगों में भय और अशांति का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि खोड़ा गणेश मंदिर जाने वाले मार्ग की हालत बेहद खराब हो चुकी है। हर बुधवार और रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन अवैध खनन से जुड़े ओवरलोड डंपरों के कारण सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। तेज रफ्तार से दौड़ते ये डंपर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए खतरा बन गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। ग्रामीणों ने शिकायत की है कि सड़क किनारे बने मकानों पर लगातार धूल-मिट्टी जम रही है। इससे न केवल जीवन-यापन प्रभावित हो रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की।

लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश, महिला सहित पांच गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेई मोड़ थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह की मुख्य महिला आरोपी सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग शादी का झांसा देकर लोगों से ठगी की वारदातों को अंजाम देती थी।

थानाधिकारी बृजेश सिंह तंवर ने बताया कि पीड़ित योगेश अग्रवाल निवासी कर्मचारी कॉलोनी, गंगापुर सिटी ने कोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने शादी के लिए ऑनलाइन माध्यम से संपर्क किया और निर्धारित प्रक्रिया के तहत पैसे जमा कराए। इसके बाद 23 जनवरी को अग्रवाल धर्मशाला में हिंदू रीति-रिवाज से उनकी शादी रानी देवी नामक महिला से कराई गई। शादी के महज छह दिन बाद 29 जनवरी की रात को आरोपी महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिवादी और उसके परिवार को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद वे घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना में करीब 1 लाख 95 हजार रुपए की ठगी की गई थी। उदेई मोड़ थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच अधिकारी जवर सिंह ने गवाहों के बयान दर्ज किए और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई थी, उनका रिकॉर्ड और स्टेटमेंट खंगाला। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे, जिससे उनकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बन गई थी। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में दबिश देकर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

दामाद ने सास को सरिये से पीटा

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कराने से नाराज एक दामाद ने अपनी सास और पत्नी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी कश्यप सिंह ने बताया कि बिग्गाबास निवासी सरबती देवी पत्नी धर्मनाथ सिद्ध ने अपने दामाद रतननाथ उर्फ रामरतन पुत्र सहीनाथ सिद्ध, निवासी लिखमादेसर (हाल जैसलसर रोही) के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता के अनुसार, 15 अप्रैल की शाम करीब 6:15 बजे वह अपने घर के सामने स्थित बाड़े में गाय का काम कर अपनी बेटी के साथ वापस लौट रही थी। इसी दौरान आरोपी अचानक हाथ में लोहे का सरिया लेकर आया और उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सरबती देवी और उनकी बेटी को चोटें आई हैं। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उन्हें धमकी दी कि यदि दहेज का मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद पीड़िता ने श्रीडूंगरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

भिवाड़ी : वेतन वृद्धि सहित कई मांगों को लेकर श्रमिकों का आंदोलन जारी

- श्रमिकों ने 8 घंटे की ड्यूटी के लिए कम से कम 20 हजार रुपए मासिक वेतन की मांग की

अलवर, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में वृद्धि की मांग पर श्रमिकों का आंदोलन जारी है। वेतन वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण भोजन, ओवरटाइम बढ़ोतरी और बेहतर व्यवहार सहित विभिन्न मांगों को लेकर बीते 20 दिनों से जारी यह प्रदर्शन अब पूरे औद्योगिक क्षेत्र में फैलता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सात बजे की शिफ्ट में कंपनी की कहरानी स्थित दूसरी यूनिट में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। श्रमिकों ने अंदर प्रवेश नहीं किया और गेट पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। भिवाड़ी थाना अधिकारी सचिन शर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, महिला और पुरुष श्रमिक वेतन वृद्धि, बेहतर भोजन और प्रबंधन के कथित बुरे बर्ताव के विरोध में अपने धरने पर डटे रहे। श्रमिकों ने उन्होंने 8 घंटे की ड्यूटी के लिए कम से कम 20 हजार रुपए मासिक वेतन की मांग की है और चेतावनी दी है कि मांगें न माने जाने पर वे कंपनी छोडक़र अपने गांव लौट जाएंगे। इसी तरह, चौपनकी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित दीपक हाउस वेयर कंपनी में भी करीब 400 से अधिक श्रमिक धरने पर बैठे हैं। यहां भी श्रमिक वेतन वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण भोजन, प्रबंधन का अच्छा व्यवहार और बोनस में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में लगभग 12 कंपनियों में ऐसे प्रदर्शन हो चुके हैं। कुछ कंपनियों में प्रबंधन ने मांगें मान ली है, जिससे प्रदर्शन शांत हो गए, लेकिन वेतन वृद्धि की मुख्य मांग अब पूरे औद्योगिक क्षेत्र में फैल रही है। इधर अचानक बढ़े विरोध को देखते हुए गुरुवार को जयपुर से लेबर सेक्रेटरी भिवाड़ी पहुंचे थे। उन्होंने उद्योगपतियों, जिला कलेक्टर और एसपी के साथ बैठक की और 10-15 दिनों में सरकार की ओर से ठोस निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगंत आनंद के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत थानाधिकारी थाना हलैना द्वारा अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करते हुए पाये जाने पर आरोपी यज्ञेश्वर उर्फ जग्गा पुत्र गुजरमल जाति गुर्जर निवासी पीपलखेडा थाना बालाहेडी जिला दौसा को गिरफ्तार कर 7 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक, दो मोबाईल तथा व बाइक को जप्त किया गया है। घटना 16 अप्रैल को एनएच 21 पर नाकाबंदी के दौरान एक बाईक सवार व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस को वावर्दी देख भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस जाप्ता की मदद से उक्त व्यक्ति को रोका और चैक किया गया तो उसके कब्जे से मादक पदार्थ स्मैक मिला।

फरार इनामी तस्कर एमपी से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे 15 हजार के इनामी तस्कर को शहर पुलिस टीम ने मध्यप्रदेश के आगर से गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 3 सितम्बर 2025 को थानाधिकारी रानपुर को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक कार पुलिस की नाकाबंदी को देखकर वापस झालावाड़ की ओर रॉंग साईड जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर गई तो झालावाड़ रोड पर एक कार खड़ी हुई मिली जिसका पीछे का टॉयर फटा हुआ मिला एवं मौके से चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार में से I 28 किलो गांजा बरामद हुआ। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश दी। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस को आरोपी की आगर मध्यप्रदेश में होने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस टीम को मध्यप्रदेश के लिये रवाना किया गया, टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी किलोना निवासी सुनील राव को बस स्टेंड आगर मध्यप्रदेश से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

समदड़ी-मोदरान के बीच 110 की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

- उत्तर-पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जोधपुर मंडल के समदड़ी-मोदरान रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी है। इस महत्वपूर्ण अपठोड से अब इस रूट पर रेल यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज, आरामदायक और समयबद्ध हो सकेगी।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड के अंतर्गत समदड़ी से मोदरान तक (किमी 0.00 से 93.690) इस गति वृद्धि को लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि रेलवे द्वारा किए गए व्यापक तकनीकी सुधारों का परिणाम है, जिसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना, ट्रैक का सुदृढ़ीकरण, विद्युतीकरण कार्य और अन्य आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड शामिल हैं। इस प्रक्रिया के दौरान रेलखंड पर विभिन्न स्थानों पर लागू अस्थाई एवं स्थाई गति प्रतिबंधों को भी हटाया गया है, जिससे अब ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू और निर्बाध रूप से संभव हो सकेगा। इसके साथ ही नई तकनीक से लैस अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली के कारण न केवल ट्रेनों की मूवमेंट अधिक व्यवस्थित हुई है, बल्कि संचालन की विश्वसनीयता और संरक्षा मानकों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

डीआरएम के अनुसार, ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार और नियमित मेंटेनेंस के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है। यही कारण है कि इस रेलखंड पर गति बढ़ाने के बावजूद सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है। डीआरएम के अनुसार इस स्पीड अपग्रेड का सबसे बड़ा लाभ यात्रियों को मिलेगा। ट्रेनों की गति बढ़ने से यात्रा समय में कमी आएगी, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक कम समय में पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही ट्रेन संचालन में समयपालन में भी सुधार होगा, जिससे यात्रियों को अनावश्यक देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सफर के दौरान बेहतर ट्रैक और उन्नत तकनीक के कारण झटकों में कमी आएगी और यात्रा अनुभव अधिक आरामदायक बनेगा।

गति बढ़ने के साथ ही इस रेलखंड की लाइन क्षमता में भी वृद्धि हुई है, जिससे एक निश्चित समयावधि में अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे न केवल यात्री ट्रेनों बल्कि मालगाड़ियों के संचालन को भी गति मिलेगी। रेलवे विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अजमेर के चांदमा गांव में दलित परिवार पर दबंगों का हमला, युवक का कान काटा

- खेत से बबूल काटने को लेकर दलित परिवार पर कुछ दबंगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया
- मारपीट में कई घायल, पीड़ितों ने प्रशासन से सुरक्षा और न्याय की मांग की

अजमेर, (कासं)। सराणा थाना क्षेत्र के चांदमा गांव में खेत से बबूल काटने को लेकर विवाद ने गंभीर रूप ले लिया, जिसमें दलित परिवार पर जानलेवा हमला किया गया। घटना में एक युवक का कान काट दिया गया तथा परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए।

पीड़ित हरिराम ने बताया कि गांव के कुछ दबंगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया। हमले के दौरान उसका कान काट दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने जातिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि दलितों को कान में बाली पहनने का अधिकार नहीं है। इस हमले में रामराज सहित रणजीत, ओमप्रकाश और घनश्याम भी घायल हुए हैं। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमलावरों ने एक विकलांग महिला को भी नहीं बख्शा और घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। इस घटना को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सौरभ यादव ने अपनी टीम के साथ पुलिस अधीक्षक और जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गत 13 अप्रैल को गांव में रामचंद्र, सज्जन और प्रहलाद ने खेत से बबूल काटने के विवाद में इस वारदात को अंजाम दिया।

घटना को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सौरभ यादव आदि एसपी और कलैक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे।

सौरभ यादव ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में दलितों पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में गंभीर धाराएं लगाने के बजाय कमजोर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, जिससे आरोपियों को लाभ मिलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज भी गांवों में दलित परिवारों की स्थिति चिंताजनक है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए शहर आकर न्याय की मांग करनी पड़ती है, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान पीड़ित रामराज के साथ अधिवक्ता रमेश गारवाल, अधिवक्ता के.सी. जोनवाल, हरिराम जाटव, रवि बैरवा, राजू जेलिया, योगेश जाटोलिया, भूपेंद्र सिंह यादव, वेद प्रकाश हाड़ा, राहुल चवरिया और रवि देवल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।